भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-302

उत्तर देने की तारीख-11/08/2025

ई-अधिगम केंद्र

***302. श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का डिजिटल इंडिया मिशन के अंतर्गत पंजाब के सीमावर्ती जिलों गुरदासपुर और पठानकोट में ग्राम स्तर पर ई-अधिगम केन्द्रों और वायरलेस इंटरनेट अवसंरचना की उपलब्धता बढ़ाने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का पिछड़े और डिजिटल सुविधा से वंचित गाँवों को प्राथमिकता के आधार पर डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने हेतु ग्राम डिजिटल इक्विटी सूचकांक शुरू करने का विचार है;

(घ) क्या ग्रामीण बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा संबंधी एक विशेष योजना बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (ङ): विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है।

*****

माननीय संसद सदस्य श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा द्वारा 'ई-अधिगम केंद्र' के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 302 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ङ): शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का हिस्सा है और अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य सरकारों के प्रशासन के अधीन हैं। हालाँकि यह मंत्रालय ग्राम डिजिटल इक्विटी सूचकांक का परिकलन नहीं करता है और इसके कार्यक्षेत्र में "ई-लर्निंग हब्स" नामक कोई विशेष योजना नहीं है, फिर भी ग्रामीण छात्रों के लिए कई व्यापक डिजिटल शिक्षा पहल की गई हैं। यह मंत्रालय देश भर के सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, समग्र शिक्षा के तहत आईसीटी और डिजिटल पहलों को लागू करता है। इन पहलों का उद्देश्य अधिगम और शिक्षण प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है।

सीमावर्ती जिलों गुरदासपुर और पठानकोट के छात्रों सहित सभी छात्रों द्वारा ऑनलाइन अधिगम की सुविधा के लिए, 17 मई, 2020 को 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के हिस्से के रूप में 'पीएम ई-विद्या' नामक एक व्यापक पहल शुरू की गई, जो देश भर में शिक्षा के लिए बहु-मोड पहुंच को सक्षम करने के लिए डिजिटल/ऑनलाइन/ऑन-एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करती है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अपनी आवश्यकताओं के अनुसार इन पहलों की प्रभावशीलता का उपयोग, निगरानी और मूल्यांकन करने के लिए एनसीईआरटी के साथ सहयोग करते हैं। पीएम ई-विद्या में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/स्वायत्त निकायों/अन्य मंत्रालयों को आवंटित 200 डीटीएच टीवी चैनल और 400 रेडियो चैनल शामिल हैं ताकि वे कक्षा 1-12 के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं में अपनी आवश्यकता के अनुसार पूरक शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षा मंत्रालय की 'पीएम ई-विद्या' पहल के तहत पंजाब राज्य को पांच चैनल (पीबी पीएम ई-विद्या 143 से पीबी पीएम ई-विद्या 147) आवंटित किए गए हैं।

ज्ञान साझाकरण हेतु डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री के साथ-साथ सभी कक्षाओं के लिए क्यूआर कोड वाली सक्रिय पाठ्यपुस्तकें (ईटीबी) उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्र का डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म (एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म) है। दीक्षा में भागीदार के रूप में, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/स्वायत्त निकायों ने स्थानीय/क्षेत्रीय भाषाओं में 3.69 लाख से अधिक सामग्री तैयार की है और उसमें योगदान दिया है। कुल मिलाकर, छात्रों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों द्वारा दीक्षा पर 564.05 करोड़ अधिगम सत्र पूरे किए जा चुके हैं। हितधारकों की दीक्षा पर 300 से अधिक वर्चुअल लैब तक पहुँच है।

पंजाब दीक्षा के प्रतिभागियों में से एक है और इसके 6.60 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, जिनके अधिगम सत्र 8.40 करोड़ से अधिक और अधिगम समय 75.41 करोड़ से अधिक है। राज्य ने दीक्षा पर 79 डिजिटल पाठ्यपुस्तकें और 6,350 ई-सामग्री अपलोड की है।

आईसीटी के माध्यम से शिक्षा में राष्ट्रीय मिशन (एनएमईआईसीटी) योजना के अंतर्गत, शिक्षा मंत्रालय ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से युवा आकांक्षी मन के लिए सक्रिय अधिगम के अध्ययन जाल (स्वयम) पोर्टल शुरु किया है। ताकि "कोई भी, कहीं भी, कभी भी सीखने" के दृष्टिकोण से शिक्षार्थियों को उच्च-गुणवत्ता वाली सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराया जा सके। स्वयम पोर्टल विभिन्न क्षेत्रों में उच्च-गुणवत्ता वाली शैक्षिक सामग्री प्रदान करता है, जिसे एक सर्वांगीण अधिगम अनुभव के लिए प्रमुख संस्थानों द्वारा तैयार किया गया है। इस प्लेटफ़ॉर्म पर अब तक 16,530 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें 4,100 विशिष्ट पाठ्यक्रम शामिल हैं। नामांकन 5 करोड़ के आंकड़े को पार कर गए हैं, जिसमें 1.62 करोड़ से अधिक विशिष्ट शिक्षार्थी शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय (एमओई) स्कूली शिक्षा स्तर पर अधिगम परिणामों को बेहतर बनाने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन लागू कर रहा है। यह मिशन 'राष्ट्रीय विद्यालय प्रमुख एवं शिक्षक समग्र उन्नति पहल' (निष्ठा) नामक एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। निष्ठा पाठ्यक्रम प्राथमिक, माध्यमिक, एफएलएन, ईसीसीई और शैक्षिक प्रौद्योगिकी के लिए डिज़ाइन किए गए हैं और संचालित किए जाते हैं। एनसीईआरटी द्वारा दीक्षा प्लेटफॉर्म पर उच्च-गुणवत्ता वाले पेशेवर रूप से निर्मित ई-सामग्री का उपयोग करके इन्हें ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने बजट 2025 में, बीएसएनएल द्वारा चरणबद्ध तरीके से सुदूर क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी अवसंरचना को बढ़ाने के लिए 'भारतनेट' परियोजना के तहत पंजाब सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी का प्रावधान करने की घोषणा की है।

शिक्षा मंत्रालय, देश भर के सरकारी स्कूलों में डिजिटल अधिगम बढ़ावा देने के लिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, समग्र शिक्षा के अंतर्गत आईसीटी और डिजिटल पहलों को लागू करता है। इन पहलों का उद्देश्य हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, टैबलेट, लैपटॉप और प्रशिक्षण संसाधनों सहित शिक्षण और अधिगम प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके, डिजिटल बोर्ड, वर्चुअल क्लासरूम और डीटीएच चैनलों को बढ़ावा देकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। इस योजना के तहत, वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपीएंडबी) में प्रस्तुत राज्य की आवश्यकता के अनुसार आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने के लिए धनराशि प्रदान की जाती है।

सभी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को आईसीटी लैब और स्मार्ट कक्षा से परिपूर्ण करने के लिए, एक पूरक परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) की बैठक 28

मई 2025 को आयोजित की गई थी। कुल 20,456 आईसीटी लैब और 29,896 स्मार्ट कक्षा को मंजूरी दी गई है, जिसमें पंजाब राज्य सहित 1,56,213 आईसीटी लैब और 1,46,040 स्मार्ट कक्षा को पूर्व में दी गई मंजूरी के अतिरिक्त आईसीटी लैब के लिए 911.13 करोड़ रुपये और समग्र शिक्षा के तहत स्मार्ट कक्षा के लिए 630.38 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है।

*****